

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम



प्रियंका चोपड़ा ने की राजामौली... 06

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-36

नई दिल्ली शुकवार, 24 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

छात्रों के समर्थन में उतरा विपक्ष, नीट मामले पर देशभर में प्रदर्शन का ऐलान

राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष का मार्च, दिल्ली पुलिस ने हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई शुरू की

कॉन्ट प्लेस में दुकानें-रेस्तरां बंद कराने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-यूजी पेपर लोक मामले को लेकर देश की राजधानी में सियासी घमासान तेज हो गया है। छात्रों के समर्थन में विपक्षी दल सड़क पर उतर आए हैं, वहीं कांक्रोच जनता पार्टी (सोजेपी) ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में 24 जुलाई को देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आह्वान किया है। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को गंभीरता से लेते हुए उपद्रवियों की पहचान शुरू कर दी है। राजधानी के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

सीजेपी ने पोस्टर जारी कर ह्वाहर जिले में एक दिन, एक मांगह अभियान के तहत शुकवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की है। संगठन ने छात्र संगठनों और सामाजिक संस्थाओं से स्थानीय प्रशासन से अनुमति लेकर प्रदर्शन में शामिल होने को कहा है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों की मांगों को सार्वजनिक रूप से पढ़ने और पुलिस कार्रवाई के पीड़ितों के प्रति एकजुटता जताने की अपील की गई है।

संगठन की ओर से जारी पोस्टर में प्रदर्शन के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। इसमें सभी जिलों में एक साथ प्रदर्शन करने, शांति व्यवस्था बनाए रखने



हिंसा में शामिल लोगों पर पुलिस की नजर

सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हिंसा में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने संकेत दिए हैं कि हिंसा में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उनके पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है।

और छात्रों की मांगों को जनता के सामने रखने की बात कही गई है। संगठन ने विस्तृत दिशा-निर्देश और अन्य सामग्री उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी है। नीट मामले को लेकर बढ़ते विरोध प्रदर्शन और सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने कॉन्ट प्लेस क्षेत्र में एहतियाती कदम उठाए हैं। एनडीएमसी ने सभी दुकानों, कार्यालयों

और रेस्तरां को शाम साढ़े छह बजे तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। एनडीएमसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की ओर से टेलीफोन के माध्यम से जारी निर्देशों के बाद नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन ने व्यापारियों को एडवाइजरी जारी की। इसमें सभी प्रतिष्ठान संचालकों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और सहयोग करने की अपील की गई है।



सीजेपी ने कोलकाता में रैली की मांगी अनुमति

सीजेपी ने कोलकाता में भी रैली निकालने के लिए पुलिस से अनुमति मांगी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, संगठन की ओर से पहले 22 जुलाई को कलिंग स्ट्रीट से रानी रश्मिनी रोड तक रैली निकालने की अनुमति मांगी गई थी, जिसे पुलिस ने मंजूरी नहीं दी। इसके बाद 24 जुलाई को उसी मार्ग पर रैली निकालने के लिए दोबारा आवेदन किया गया। पुलिस ने आवेदनकर्ता और संगठन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, यह कदम किसी भी अप्रिय घटना, संपत्ति के नुकसान और लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

नीट पेपर लोक के विरोध में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अनुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद गुरुवार को गांधी स्मृति पहुंचे। विपक्षी नेताओं ने पहले राहुल गांधी के आवास

पर बैठक कर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई। इसके बाद सभी नेता बस से गांधी स्मृति के लिए रवाना हुए।

माचं शुरू होने से पहले राहुल गांधी के आवास के बाहर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी थी, जिसके कारण कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बातचीत के बाद रास्ता खोल दिया गया और विपक्षी नेताओं का काफिला आगे बढ़ा।

नीट विवाद में अन्ना की एंट्री

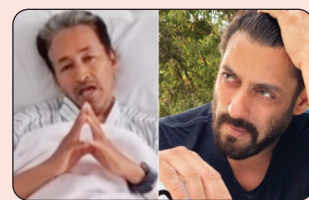
पीएम को पत्र लिख छात्रों से संवाद की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-यूजी पेपर लोक मामले को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर छात्रों की चिंताओं पर ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद जरूरी है और छात्रों की समस्याओं का समाधान बातचीत से निकाला जाना चाहिए। अन्ना हजारे ने प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस कार्रवाई पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार को युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने जवाबदेही तय करने और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने की जरूरत बताई।



सलमान ने छात्रों से की घर लौटने की अपील

सोनम वांगचुक से कहा- खाना खा लो



नई दिल्ली। नीट पेपर लोक मामले को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने फिर छात्रों से अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पढ़ाई और सुरक्षा दोनों के लिहाज से छात्र प्राथमिकता हैं, इसलिए वे चिंता न करें और अपने माता-पिता के पास घर लौट जाएं। सलमान ने सोनम वांगचुक से भी अनशन खत्म करने की अपील करते हुए कहा कि अब इसे आगे न बढ़ाएं और कुछ खा लें। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि अगर चाहें तो वह अपने घर से खाना भी भिजवा सकते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी छात्रों को भरोसा दिलाया था कि पेपर लोक के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द की, तीन हफ्ते में सरेंडर का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हुई हत्या के चर्चित मामले में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च अदालत ने उनकी जमानत रद्द करते हुए तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि मुकदमे की सुनवाई में अनावश्यक देरी होती है तो छह महीने बाद वह दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

मेघालय सरकार ने सोनम रघुवंशी को मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह



फैसला सुनाया।

सुनवाई के दौरान सोनम रघुवंशी के वकील ने अदालत को बताया कि मामले में कुल 94 गवाह हैं, लेकिन अब तक केवल चार गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे आरोपपत्र (सप्लीमेंट्री चार्जशीट) भी दाखिल हो चुका है और सोनम जमानत की

सभी शर्तों का पालन कर रही है।

बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि सोनम ने कोई नियम नहीं तोड़ा और उनके फरार होने की आशंका नहीं है। वकील ने गिरफ्तारी की परिस्थितियों को लेकर भी अदालत के सामने अपनी दलील रखी।

मेघालय सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गिरफ्तारी और सरेंडर को लेकर उठाए गए सवालों का कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने अदालत को बताया कि चार्जशीट में इस संबंध में स्पष्ट उल्लेख है और जिस दस्तावेज को लेकर विवाद किया जा रहा है, उसमें केवल एक कानूनी धारा का नंबर टाइप करने में तकनीकी त्रुटि हुई थी।

भारतीय रेलवे ने 440 करोड़ की तीसरी लाइन परियोजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन और मिदनापुर के बीच 14.52 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन बिछाने की 440 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य इस व्यस्त रेल कॉरिडोर की क्षमता बढ़ाना और यात्री तथा मालगाड़ियों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाना है। रेलवे के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह परियोजना हाई-डेंसिटी रेल मार्गों पर नेटवर्क क्षमता बढ़ाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। परियोजना पूरी होने के बाद इस मार्ग पर हर वर्ष अतिरिक्त 3.52 मिलियन टन माल ढुलाई संभव हो सकेगी, जिससे उद्योगों और आवश्यक वस्तुओं के परिवहन को बड़ा लाभ मिलेगा।



इन वस्तुओं की होती है बड़े पैमाने पर ढुलाई

इस रेल मार्ग से मैंगनीज, लौह अयस्क, कंटेनर, कोयला, क्लिंकर, पेलेट आयरन, लोहा-इस्पात, गेहूं, पत्थर, स्लीपर, स्लैग, नमक, चावल, पेट्रोलियम उत्पाद, चूना पत्थर, जिप्सम, उर्वरक, खाद्य तेल, केमिकल सॉल्ट, चारकोल, सीमेंट, बैलेस्ट और राख जैसी कई महत्वपूर्ण वस्तुओं का परिवहन होता है। वर्तमान में इस मार्ग पर करीब 23.80 मिलियन टन प्रतिवर्ष माल ढुलाई की जा रही है।

ओडिशा: शादी से लौट रही कार तालाब में गिरी, पांच की मौत

ढेंकानाल, एजेंसी। ओडिशा के ढेंकानाल जिले में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में शादी समारोह से लौट रहे पांच युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी, जिससे उसमें सवार पांच युवकों की डूबने से जान चली गई। हादसे में दो अन्य युवक सुरक्षित बचा लिए गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, हादसा ढेंकानाल सदर थाना क्षेत्र के छतिया गांव में हुआ। कार में सवार सात युवक शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे तालाब में जा गिरी।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद दो युवकों को जीवित बाहर निकाल लिया, लेकिन पांच अन्य युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई।

पुलिस ने मृतकों की पहचान चालक चंद्रकांत स्वाइन, अभिनाश साहू, राकेश साहू, श्रीराम साहू और अभिजीत साहू के रूप में की है।

इनमें चंद्रकांत स्वाइन, अभिनाश साहू, राकेश साहू और श्रीराम साहू ढेंकानाल जिले के मोतांगा क्षेत्र के बंगुरिसिंह गांव निवासी थे, जबकि अभिजीत साहू सिमिनाई गांव का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, सभी मृतकों की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच थी। हादसे में घायल दोनों युवकों को तुरंत ढेंकानाल जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों की निगरानी में दोनों की हालत पर नजर रखी जा रही है।

हूती विद्रोहियों का दावा, लाल सागर में दो सऊदी तेल टैंकरों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला



सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने लाल सागर में दो सऊदी तेल टैंकरों को निशाना बनाकर सैन्य अभियान चलाया है। समूह का कहना है कि इन जहाजों ने हाल ही में घोषित समुद्री प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और सऊदी अरब की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हूती समूह के अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित बयान में सैन्य प्रवक्ता याह्या सरेंआ ने कहा कि 'ईएनसीईएलआर' और 'एलएवाईएलए' नाम के तेल टैंकरों को बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया गया।

सरेंआ के मुताबिक, इन जहाजों ने सऊदी बंदरगाहों से जुड़े समुद्री प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। उन्होंने दावा किया कि हमले के बाद दोनों टैंकरों में

आग लग गई और अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, हूती समूह ने हमले की सटीक जगह, नुकसान या किसी के हताहत होने संबंधी कोई प्रमाण पेश नहीं किया है। इसलिए इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

इस बीच, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि उसे सऊदी अरब के अल शुकाइफ से करीब 70 नॉटिकल मील दक्षिण-पश्चिम में एक टैंकर से जुड़ी घटना की सूचना मिली है।

यूकेएमटीओ के अनुसार, जहाज के कप्तान ने बताया कि किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या अन्य वस्तु) के टकराने से जहाज में आग लग गई। चालक दल आग बुझाने में जुटा हुआ है।

पेपर लोक मामला : सीबीआई को मुख्य आरोपी संजीव मुखिया के खिलाफ नहीं मिला सबूत

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2024 पेपर लोक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोपी संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। एजेंसी ने कहा कि विस्तृत और गहन जांच के दौरान संजीव मुखिया के खिलाफ नीट-यूजी 2024 पेपर लोक या उसके वितरण में शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला। इसलिए इस मामले में चार्जशीट दाखिल नहीं की गई। सीबीआई ने बताया कि वर्ष 2024 में बिहार पुलिस ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा का प्रश्नपत्र चोरी होने का खुलासा किया था और इस संबंध में मामला दर्ज किया था। शुरुआती जांच में संजीव मुखिया पर संदेह जताया गया था, क्योंकि वह पहले भी कई परीक्षा प्रश्नपत्र चोरी और लोक मामलों में कथित रूप से शामिल पाया गया था। इसी आधार पर बिहार पुलिस ने उन्हें एफआईआर में आरोपी बनाया था।

ठाकरे भाइयों का 26 जुलाई को संयुक्त मार्च का ऐलान

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने युवधर्मा को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीट पेपर लोक मामले पर दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र की एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने 26 जुलाई को मुंबई में संयुक्त विरोध मार्च निकालने की घोषणा की। उद्धव और राज ठाकरे ने कहा कि यह विरोध मार्च 26 जुलाई (रविवार) को शिवाजी पार्क (शिवतीर्थ) से सिद्धिविनायक मंदिर तक निकाला जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मार्च पूरी तरह गैर-राजनीतिक होगा और इसमें किसी भी राजनीतिक दल का झंडा नहीं, बल्कि केवल तिरंगा ही रहेगा।

महिला प्रदर्शनकारी की मौत की खबर फर्जी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी के प्रदर्शन के बीच सोशल मीडिया पर एक महिला प्रदर्शनकारी की मौत की खबर तेजी से वायरल होने लगी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने फैक्ट चेक जारी कर इसे पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही यह खबर कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी की मौत हो गई है, पूरी तरह गलत है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि संबंधित महिला जीवित है और उनका इलाज डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में चल रहा है।

दिल्ली में कचरा प्रबंधन को मिलेगी नई रफ्तार

सीएम रेखा गुप्ता ने 917 आधुनिक गाड़ियों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली को स्वच्छ और बेहतर कचरा प्रबंधन व्यवस्था देने की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को बड़ा कदम उठाया। उन्होंने पश्चिमी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में घर-घर कचरा उठाने और उसके परिवहन की नई व्यवस्था का शुभारंभ करते हुए 917 आधुनिक कचरा उठाने वाली गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी सेवाओं की सराहना की। उन्होंने सफाई कर्मियों के साथ भोजन भी किया और स्वच्छ दिल्ली के निर्माण में उनके योगदान के लिए आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल कचरा उठाना नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और नागरिकों की भागीदारी पर आधारित मजबूत टोस



कचरा प्रबंधन प्रणाली तैयार करना है। नई व्यवस्था से कचरा संग्रहण का काम अधिक प्रभावी, समयबद्ध और जवाबदेह बनेगा। सरकार का लक्ष्य है कि 25 वार्डों के करीब 4.5 लाख परिवारों को शामिल किया जाएगा। पहले चरण में छह वार्डों में व्यवस्था शुरू कर दी गई है, जबकि शेष 19 वार्डों को 31 अगस्त तक इसके दायरे में लाया जाएगा।

नई व्यवस्था में 225 ई-रिक्शा, 550 मिनी टिपर, 52 कॉम्पैक्टर, 41 हुक लोडर, 28 टाटा-407 वाहन, 10 डंपर, छह बिन वॉशर और अन्य अत्याधुनिक उपकरण शामिल किए गए हैं। इनसे घर-घर से समय पर और प्रभावी तरीके से कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद और मनजिंदर सिंह सिरसा, मेयर प्रवेश वाही, एमसीडी आयुक्त संजीव खिरवार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा को प्लास्टिक मुक्त और सुरक्षित बनाने में जुटा गाजियाबाद नगर निगम, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की विशेष पहल

स्वदेश प्रेम

गाजियाबाद। आगामी कावड़ यात्रा महोत्सव को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और स्वच्छ बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व और निदेशों में निगम के सभी विभाग युद्धस्तर पर कावड़ मार्गों को दुरुस्त करने में जुटे हैं। नगर आयुक्त स्वयं तैयारियों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि इस वर्ष

गाजियाबाद नगर निगम का लक्ष्य "पूर्ण प्लास्टिक मुक्त कावड़ यात्रा" आयोजित कराना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। कावड़ मार्ग पर लगने वाले शिविरों, भंडारों और धार्मिक आयोजनों में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न हो, इसके लिए लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

नगर निगम की टीमें मेरठ रोड से ज्ञानी बॉर्डर, मोहन नगर से कौशांबी, यूपी गेट, इंदिरापुरम तथा अन्य प्रमुख कावड़ मार्गों पर सक्रिय हैं। उद्यान विभाग पेड़ों की अनावश्यक टहनियों और झाड़ियों की छंटाई कर रहा है, जबकि



निर्माण विभाग सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, बैरिकेडिंग और मार्गों को सुगम बनाने का कार्य कर रहा है।

प्रकाश विभाग बिजली के खंभों को सुरक्षित बनाते हुए फ्लेक्स कवर लगा रहा है, वहीं जलकल एवं

स्वास्थ्य विभाग स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने में जुटे हैं।

मुख्य अभियंता (निर्माण) नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि दुहाई से तुलसी निकेतन बॉर्डर, मोहन नगर से ज्ञानी बॉर्डर तथा इंदिरापुरम की ओर जाने वाले मार्गों पर आवश्यक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि गाजियाबाद की कावड़ यात्रा प्रदेश में स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन का उदाहरण बन सके।

अवैध कॉलोनियों पर जीडीए का बड़ा एक्शन: सड़क, बाउंड्रीवाल और साइट ऑफिस ध्वस्त, लोगों से प्लॉट खरीदने से पहले जांच की अपील

स्वदेश प्रेम

गाजियाबाद । गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त अभियान जारी रखते हुए प्रवर्तन जोन-2 क्षेत्र में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर सड़क, बाउंड्रीवाल, साइट ऑफिस और अन्य अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में की गई। जीडीए के अनुसार ग्राम जेलादपुर, रघुनापुर पाइपलाइन रोड, मुदानगर में खसरा संख्या-144 पर करीब पांच बीघा भूमि पर बिना स्वीकृत मानचित्र के अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। वहीं ग्राम नवीपुर, बंबा वाली रोड स्थित बीएलएएम पब्लिक स्कूल के समीप लगभग 8500 वर्गमीटर क्षेत्र में मिट्टी भराव, सड़क निर्माण और प्लॉट विकसित किए जा रहे थे। जांच के दौरान संबंधित लोगों द्वारा कोई वैध स्वीकृति या मानचित्र प्रस्तुत



नहीं किया गया, जिसके बाद ध्वंसीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर्स ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान बिना किसी बाधा के पूरा किया गया। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ तथा पुलिस बल मौजूद रहा। आमजन के लिए महत्वपूर्ण संदेश: जीडीए ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्लॉट या संपत्ति में निवेश करने से पहले उसकी वैधता, स्वीकृत

लेआउट और प्राधिकरण की अनुमति की जांच अवश्य करें। केवल कम कीमत या आकर्षक विज्ञापनों के झांसे में आकर अवैध कॉलोनियों में निवेश करना आर्थिक नुकसान और कानूनी परेशानियों का कारण बन सकता है।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण और कॉलोनियों के विरुद्ध ध्वंसीकरण एवं सीलिंग का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि सुनिश्चित एवं वैध शहरी विकास सुनिश्चित किया जा सके।

गाजियाबाद में नगर निगम ने सोलर लाइटें लगानी की शुरू

स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद । शहर को ऊर्जा दक्ष और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर निगम ने यूपी नेडा सोलर सिटी 2.0 योजना के अंतर्गत सोलर लाइटों और सोलर हाई मास्ट लाइटों के स्थापना कार्य की शुरुआत कर दी है। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सोलर आधारित प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसका उद्देश्य उन स्थानों को रोशन करना है, जहां अभी तक विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं है या जहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था का अभाव है। नगर निगम ने निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद शहर में 18 वाट क्षमता की 1756 सोलर स्ट्रीट लाइटें तथा 107 सोलर हाई मास्ट लाइटें स्थापित की जा रही हैं। इस परियोजना के तहत अब तक लगभग 250 सोलर लाइट और 50 सोलर हाई मास्ट लगाए जा चुके हैं, जबकि शेष लाइटों के इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से जारी है। सभी लाइटों में इनबिल्ट बैटरी की सुविधा उपलब्ध है, जिससे दिन में सौर ऊर्जा संग्रहित कर रात में प्रकाश उपलब्ध कराया जा सकेगा। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि यूपी नेडा सोलर सिटी 2.0 योजना के माध्यम से शहर में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। पार्कों, बैंक लेन, सार्वजनिक स्थलों और ऐसे क्षेत्रों में जहां अंधेरा बना रहता है, वहां इन सोलर लाइटों के लगने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। साथ ही यह व्यवस्था बिजली की खपत कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर में मौजूद ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। कई स्थान ऐसे हैं, जहां पर्याप्त रोशनी न होने के कारण सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। सोलर लाइटों की स्थापना से इन क्षेत्रों में उजाला होगा और असामाजिक गतिविधियों तथा अपराध की घटनाओं पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करते हुए गाजियाबाद को आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करना है। सोलर लाइट परियोजना के पूरा होने के बाद शहर के हज़ारों नागरिकों को रात के समय बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी। इससे न केवल आवागमन सुरक्षित बनेगा, बल्कि ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी गाजियाबाद एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियां तेज, 10 अगस्त को बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की दवा

स्वदेश प्रेम

ग्रेटर नोएडा । जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी 10 अगस्त को एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी पात्र बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी, जबकि अभियान के दौरान छूट जाने वाले बच्चों को 14 अगस्त को आयोजित मॉप-अप दिवस पर दवा दी जाएगी। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित की

गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस बच्चों के स्वास्थ्य और कुपोषण की रोकथाम से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद का कोई भी पात्र बच्चा एल्बेंडाजोल की दवा लेने से वंचित न रहे। उन्होंने स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, प्रोबेशन तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।



उन्होंने कहा कि सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों के साथ-साथ क्षेत्रीय विद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पॉलिटेक्निक,

कौशल विकास संस्थान तथा श्रमिकों के बच्चों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। सभी केंद्रों पर लक्षित बच्चों की संख्या के

अनुरूप दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर

अभिभावकों को कृमि मुक्ति के महत्व से अवगत कराने पर भी बल दिया गया।

बैठक में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.पी. सिंह और डीईआईसी प्रबंधक ने अभियान की कार्ययोजना, दवा वितरण व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार झा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उबेद कुरैशी, जिला कार्यक्रम

अधिकारी (आईसीडीएस) अनामिका सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शादी समारोह में शामिल होने आए युवक की कार चोरी, लैपटॉप और शैक्षिक

दस्तावेज भी गायब

स्वदेश प्रेम-रबूपुरा। क्षेत्र के गांव फलेदा में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान अज्ञात चोरों ने एक युवक की कार चोरी कर ली। कार में रखा लैपटॉप और महत्वपूर्ण शैक्षिक दस्तावेज भी वाहन के साथ गायब हो गए। घटना की सूचना मिलने पर रबूपुरा पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, सूरजपुर कस्बे की भूड़ कॉलोनी निवासी सुनील कुमार गांव फलेदा में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। उन्होंने अपनी कार गांव के अड्डे के समीप खड़ी कर दी और बारात में भोजन करने के लिए चले गए। देर रात लगभग 12 बजे जब वह वापस लौटे तो कार अपने स्थान पर नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने आसपास के क्षेत्र में काफी तलाश की, लेकिन वाहन का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित ने बताया कि कार में उनके रिश्तेदार खुर्जा निवासी अरुण शर्मा का लैपटॉप तथा महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज रखे हुए थे, जो कार के साथ ही चोरी हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर शीघ्र ही वाहन और चोरी गए सामान की बरामदगी तथा आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा।

काजीपुरा गांव के खेत जंगल में एक अज्ञात युवती का शव मिला



स्वदेश प्रेम-गाजियाबाद : गाजियाबाद वेव सिटी थाना क्षेत्र के गांव काजीपुरा के जंगल (खेत)में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे एक अज्ञात युवती का शव मिला खेत में लगभग 25 वर्षीय युवती का शव मिलने की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया प्रारंभिक पुलिस जांच में युवती के गले पर चोट के निशान मिले हैं जिससे गला रेतकर हत्या की आशंका जताई जा रही है हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा पुलिस फिलहाल मुक्तिका की पहचान करने तथा हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि 23 जुलाई को सुबह 9-07 बजे पीआरबी के माध्यम से वेव सिटी पुलिस को सूचना मिली थी सूचना में बताया गया था की काजीपुरा के एक खेत में फसल के बीच किसी को घसीट कर ले जाने के निशान हैं और फसल की टूटी हुई है सूचना मिलते ही थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच के दौरान खेत से एक अज्ञात युवती का सब बरामद किया एसीपी ने आगे बताया की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है फॉरेंसिक साईंस लैब की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए हैं मामले के जल्द खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया है महिला की पहचान और घटनाक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग जुटाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंडली जा रही है पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी फिलहाल इस पूरे मामले की हर पहलू से जांच जारी है।

यमुना पुश्ता रोड की बदलेगी सूरत, 34.18 करोड़ की परियोजना को मिली रफ्तार ; अगस्त से शुरू होगा निर्माण कार्य

स्वदेश प्रेम-नोएडा। सेक्टर-94 से सेक्टर-135 तक करीब 11.20 किलोमीटर लंबे यमुना पुश्ता (बंधा) रोड की जर्जर हालत अब जल्द अतीत बनने वाली है। वर्षों से बर्दाहल इस महत्वपूर्ण सड़क की मरम्मत, रिसफेंसिंग और साफ-सफाई के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 34.18 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति दे दी है। परियोजना के तहत प्रथम चरण में 11 करोड़ रुपये सिंचाई विभाग को जारी भी कर दिए गए हैं। हालांकि धनराशि जारी होने के बावजूर निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाया है, लेकिन अधिकारियों का दावा है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही अगस्त माह से काम शुरू कर दिया जाएगा। यमुना पुश्ता रोड नोएडा के सबसे महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों में से एक है। यह सड़क सेक्टर-94, 96, 97, 98, 124, 125, 127, 128, 129, 130, 133 और 135 सहित कई प्रमुख सेक्टरों को आपस में जोड़ती है। प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। लंबे समय से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई सतह और कई स्थानों पर दरारें होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों की ओर से लगातार शिकायतें मिलने के बाद नोएडा प्राधिकरण ने सड़क के व्यापक पुनर्निर्माण और रिसफेंसिंग का निर्णय लिया। परियोजना के तहत सड़क की नई परत बिछाने के साथ-साथ क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था में सुधार तथा आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई भी कराई जाएगी, जिससे सड़क की गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों में सुधार होगा। इसी के साथ सेक्टर-150 में गाजियाबाद सिंचाई खंड द्वारा प्रस्तावित हेड रेगुलेटर निर्माण परियोजना भी फिलहाल शुरू नहीं हो सकी है। इस परियोजना के लिए भी नोएडा प्राधिकरण 11.98 करोड़ रुपये जारी कर चुका है, लेकिन तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण निर्माण कार्य अभी तक धरातल पर नहीं उतर पाया है। दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं में हो रही देरी को गंभीरता से लेते हुए नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) सतीश पाल ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद सिंचाई विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ को पत्र भेजकर निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा तय समयसीमा के भीतर परियोजनाएं शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अगले 14 दिनों के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। इसके बाद अगस्त माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। विभाग का दावा है कि काम शुरू होने के बाद लगभग तीन महीने के भीतर रिसफेंसिंग और अन्य निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यमुना पुश्ता रोड की मजबूती वर्तमान समय की आवश्यकता है।

‘चाइल्ड सेफ्टी मंथ’ के तहत खजूरी खास थाना पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के उत्तर पूर्वी जिला अंतर्गत थाना खजूरी खास द्वारा चाइल्ड सेफ्टी मंथ अभियान के तहत जे.बी. मॉडल पब्लिक स्कूल, खजूरी में बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और साइबर खतरों के प्रति जागरूक बनाना था।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को बाल सुरक्षा, पॉक्सो (पॉक्सो)

अधिनियम, साइबर सुरक्षा, गुड टच ,बैड टच तथा किसी भी असुरक्षित या संदिग्ध स्थिति की तुरंत जानकारी माता पिता, शिक्षकों या पुलिस को देने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। पुलिस टीम ने बच्चों को ऑनलाइन माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने, अजनबियों से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, धमकी या अनुचित व्यवहार की स्थिति में बिना डर के अपनी बात साझा करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आपातकालीन स्थिति में पुलिस से सहायता प्राप्त करने के तरीकों की भी जानकारी दी गई।



कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बाल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने सरल एवं प्रभावी ढंग से उत्तर दिया।

उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने बताया कि स्मार्ट

बच्चे और चाइल्ड सेफ्टी मंथ अभियान के माध्यम से स्कूलों में लगातार ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि बच्चे अपने अधिकारों, सुरक्षा उपायों और संभावित खतरों के प्रति सजग रहकर सुरक्षित एवं आत्मविश्वासपूर्ण वातावरण में आगे बढ़ सकें।

पटेल नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता, सीरियल मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार चार मामले सुलझे, तीन मोबाइल बरामद

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली, 23 जुलाई। केन्द्रीय जिला पुलिस की पटेल नगर थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की लगातार हो रही वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शक्तिर सीरियल मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी स्नैच किए गए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस गिरफ्तारी के साथ मोबाइल स्नैचिंग और चोरी के चार मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया है।

पुलिस के अनुसार, पटेल नगर क्षेत्र में लगातार हो रही मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसएचओ इम्पेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में हेड कांस्टेबल योगेश, हेड कांस्टेबल दीपक, कांस्टेबल भूपिंदर, कांस्टेबल दलीप और कांस्टेबल शुभम शामिल थे। पूरी कार्रवाई एसीपी पटेल नगर सुनील कुमार के



पर्ववेक्षण में की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थलों एवं संभावित भागने के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया। तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई।

22 जुलाई 2026 को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शादीपुर फ्लाईओवर, बलजीत नगर के पास जाल बिछाकर आरोपी आशीष (29 वर्ष), निवासी करोल

बाग, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से तीन चोरी किए गए मोबाइल फोन बरामद हुए, जो अलग-अलग आपराधिक मामलों से संबंधित पाए गए। पृष्ठताछ में आरोपी ने हाल के दिनों में दो वारदातें पटेल नगर क्षेत्र में तथा एक करोल बाग क्षेत्र में करने की बात स्वीकार की। उसने यह भी बताया कि करीब एक माह पूर्व उसने राजेंद्र नगर स्थित पानी की टंकी के पास भी एक मोबाइल फोन छीना था, जिसे बाद में संबंधित इ-

एफआईआर से जोड़ा गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी 12वीं तक शिक्षित है और एक टेंट हाउस में कार्य करता है। व्यक्तिगत खर्चों को पूरा करने के लिए उसने मोबाइल स्नैचिंग का रास्ता अपनाया। गिरफ्तारी के समय वह छिने गए मोबाइल फोन बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में घूम रहा था।

पुलिस द्वारा बरामद मोबाइल फोन पटेल नगर, करोल बाग और राजेंद्र नगर थाना क्षेत्रों में दर्ज मामलों से संबंधित हैं। इस कार्रवाई से कुल चार मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

केन्द्रीय जिला पुलिस का कहना है कि राजधानी में मोबाइल स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दयालपुर थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, हत्या के प्रयास का मामला घंटों में सुलझाया आरोपी गिरफ्तार



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस के थाना दयालपुर की टीम ने त्वरित कार्रवाई और प्रभावी जांच का परिचय देते हुए हत्या के प्रयास (अटेम्प्ट टू मर्डर) के एक मामले का घटना के कुछ ही घंटों के भीतर सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही थाना दयालपुर की टीम तत्काल सक्रिय हो गई। अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, साक्ष्य जुटाए तथा तकनीकी और स्थानीय स्तर पर गहन जांच शुरू की। त्वरित कार्रवाई और सटीक जांच के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे कुछ ही घंटों में दबोच लिया गया। पृष्ठताछ के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया, जिससे मामले के महत्वपूर्ण साक्ष्य पुलिस के हाथ लगे हैं। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई एवं विस्तृत जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गंभीर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई कर अपराधियों को कानून के शिकंजे तक पहुंचाना दिल्ली पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। थाना दयालपुर पुलिस की इस त्वरित सफलता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में पुलिस की सक्रियता और प्रतिबद्धता एक बार फिर सामने आई है।

मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 सीसीटीवी कंट्रोल रूम से मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर रखी जा रही पैनी नजर



स्वदेश प्रेम गिरिश कुमार

नई दिल्ली/गोवर्धन। विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु यातायात व्यवस्था एवं बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की पल-पल निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मेले में उमड़ रही लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए कंट्रोल रूम से प्रमुख मार्गों, पार्किंग स्थलों, परिक्रमा मार्ग, मंदिर परिसर एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य विभागों के कर्मचारी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना



है। इसके लिए भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, चिकित्सा सहायता, पेयजल, सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुलिस टीमों को मौके पर भेजा जा रहा है। साथ ही श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, अफवाहों से बचें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 में पुलिस एवं प्रशासन की सतर्कता, आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता मेले को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जन्मदिवस एवं संगीतमय समारोह का भव्य आयोजन 19 सितंबर को, संगीत प्रेमियों के लिए रहेगा यादगार अवसर

स्वदेश प्रेम शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। संगीत, संस्कृति और आत्मीयता का अनुपम संगम 19 सितंबर (शनिवार) को पश्चिम विहार स्थित मैपल गोल्ड्स, रेडिसन ब्लू, दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है, जहाँ हृदयथंडे एंड म्यूजिकल सेलिब्रेशनह का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जन्मदिन की खुशियों के साथ-साथ संगीत साधकों और संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय संगीतमय उत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

इस भव्य कार्यक्रम की मुख्य आयोजक अर्चना यादव हैं, जो अपने उत्कृष्ट प्रबंधन, रचनात्मक सोच और संगीत के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने लगातार ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से नवोदित एवं स्थापित कलाकारों को मंच प्रदान कर सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। उनके कुशल नेतृत्व में यह आयोजन भव्यता, अनुशासन और आत्मीयता का उत्कृष्ट उदाहरण बनने जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण ईशा सक्सेना रहेंगी, जिनका जन्मदिन संगीत और अपनों के स्नेह के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाया



जाएगा। अपनी मधुर एवं प्रभावशाली गायकी, सरल स्वभाव और सौम्य व्यक्तित्व के कारण ईशा सक्सेना संगीत जगत में विशेष पहचान रखती हैं। उनके सम्मान में आयोजित यह संगीतमय उत्सव उपस्थित सभी अतिथियों के लिए यादगार अनुभव बनने की पूरी संभावना है। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक संगीतमय प्रस्तुतियों का दौर चलेगा, जिसमें देशभर के प्रतिभाशाली गायक-गायिकाएँ अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से सभी बाँधेंगे। इस दौरान सभी अतिथियों के लिए स्वादिष्ट स्नेक्स, पेय पदार्थ एवं

लजीज लंच की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

इसके पश्चात दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक जन्मदिन समारोह आयोजित होगा, जिसमें केक कटिंग, शुभकामनाएँ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, संगीत, मनोरंजन और मिलन समारोह कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहेंगे। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया जाएगा तथा सभी अतिथियों के स्वागत एवं आतिथ्य की विशेष तैयारियों की गई हैं। पोस्टर के अनुसार संगीत प्रस्तुति देने वाले गायकों के लिए पंजीकरण शुल्क ₹1500, उनके अतिथियों के लिए प्रवेश शुल्क ₹999 निर्धारित किया गया है, जबकि जन्मदिन समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों के लिए प्रवेश पूर्णतः नि:शुल्क रखा गया है। आयोजकों ने देशभर के संगीत प्रेमियों, कलाकारों, समाजसेवियों, शुभाचिंतकों एवं गणमान्य नागरिकों से इस विशेष आयोजन में सपरिवार उपस्थित होकर संगीत, मित्रता और जन्मोत्सव के इस यादगार उत्सव का हिस्सा बनने की अपील की है। यह आयोजन निश्चित रूप से संगीत, संस्कृति, आत्मीयता और सौहार्द का एक शानदार संगम सिद्ध होगा।

ऑपरेशन मिलाप के तहत द्वारका पुलिस की बड़ी सफलता, लापता तीन मासूम बच्चों को सकुशल परिजनों से मिलाया



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली, 23 जुलाई। द्वारका जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लापता नाबालिग बच्चों को सकुशल तलाश कर उनके परिजनों से मिलाकर एक सराहनीय कार्य किया है। पुलिस की तत्परता, समन्वित प्रयासों और प्रभावी टीमवर्क के चलते बच्चों को सुरक्षित खोजकर आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उनके परिवार को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई 2026 को थाना द्वारका सेक्टर 23 में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बोलाराम कॉलोनी, पोचनपुर निवासी एक महिला ने शिकायत दी कि उसके तीन नाबालिग बच्चे घर से खेलने के लिए निकले थे, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटे। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल खोज अभियान शुरू कर दिया। एसएचओ द्वारका सेक्टर 23 के नेतृत्व तथा एसीपी द्वारका के मार्गदर्शन में गठित टीम, जिसमें उपनिरीक्षक नवीन यादव एवं हेड कांस्टेबल विनोद शामिल थे, ने बच्चों की तलाश के लिए कई स्तरों पर कार्रवाई की। कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी पुलिस इकाइयों को बच्चों का विवरण प्रसारित किया गया, आसपास के थानों से संपर्क किया गया, ZIPNET और NCRB पोर्टलों पर जानकारी का मिलान किया गया, स्थानीय लोगों, पड़ोसियों और बच्चों के मित्रों से पृष्ठताछ की गई तथा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। लगातार स्थानीय जांच और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस टीम ने तीनों बच्चों को होली चौक, पोचनपुर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। जांच के बाद यह सुनिश्चित किया गया कि बच्चे पूरी तरह शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुरक्षित हैं। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। द्वारका जिला पुलिस की इस त्वरित एवं संवेदनशील प्रतिक्रिया को सराहनीय लोगों ने स्तुति दी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन मिलाप का उद्देश्य लापता बच्चों को शीघ्र खोजकर सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुंचाना है तथा इस दिशा में द्वारका पुलिस पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

नाजुक पहल के तहत उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने बच्चों को सिखाए सुरक्षा के गुर



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली, 23 जुलाई। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस की परिवर्तन टीम ने बच्चों की सुरक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नाजुक पहल के अंतर्गत थाना मॉडल टाउन क्षेत्र स्थित दर्शन अकादमी स्कूल में एक विशेष बाल सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम में लगभग 30 छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में सरल एवं प्रभावी तरीके से जानकारी दी। साथ ही उन्हें असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान करने, किसी भी प्रकार की अनुचित हरकत का बिना डर के विरोध करने तथा ऐसी स्थिति में तुरंत अपने माता पिता, शिक्षक या अन्य विश्वसनीय अभिभावकों को जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने बच्चों को यह भी बताया कि किसी भी आपात स्थिति या खतरे की स्थिति में वे बिना घबराए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल कर तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने बाल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने सज्ज एवं प्रेरक ढंग से उत्तर दिया। बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करने का संदेश भी दिया गया।

उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने बताया कि नाजुक पहल का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा संभावित खतरों के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। विद्यालय प्रबंधन ने भी इस जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

द्वारका पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शातिर स्नैचर व ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार चोरी के मोबाइल और तीन मोटरसाइकिल बरामद

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली, 23 जुलाई। द्वारका जिला पुलिस के थाना सेक्टर-23 की टीम ने मोबाइल स्नैचिंग एवं वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर स्नैचर एवं ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक स्नैच किया गया मोबाइल फोन, एक चोरी का मोबाइल फोन तथा तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले से ही आठ आपराधिक मामलों में संलिप्त रह चुका है।

पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को थाना सेक्टर 23 में दर्ज एक ई एफआईआर में शिकायतकर्ता ने बताया था कि 3 जुलाई को सुबह बामनोली, सेक्टर 28 क्षेत्र में

उसका मोबाइल फोन छीन लिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ इम्पेक्टर बिजेन्द्र कुमार चिल्लर के नेतृत्व में तथा एसीपी किशोर कुमार के पर्ववेक्षण में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल से लेकर हरियाणा के झज्जर जिले के जसौर खेड़ी तक करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया। तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। बाद में सूचना मिली कि आरोपी छीना गया मोबाइल बेचने आने वाला है। इस सूचना पर पुलिस ने डाइव्ही-गुरुग्राम रोड, ओमैक्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 23 के सामने जाल बिछाकर आरोपी विपिन उर्फ काले उर्फ बंदर (23 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।



गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से

वर्तमान मामले से संबंधित स्नैच किया गया मोबाइल फोन तथा एक अन्य चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई चोरी की हीरो स्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी बरामद हुई, जो वसंत कुंज दक्षिण थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। पृष्ठताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर सेक्टर 25 मेट्रो पार्किंग से दो और चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं।

पृष्ठताछ में आरोपी ने बताया कि वह कपासहेड़ा स्थित बाल्मीकि मोहल्ला में अपनी माँ के साथ रहता है। नौवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी और गलत संगत में पड़कर नशे का आदी हो गया। नशे की लत पूरी करने के लिए उसने चोरी और मोबाइल स्नैचिंग जैसी

वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। उसने पिछले दो तीन महीनों में कई वारदातें करने की बात भी स्वीकार की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के विरुद्ध पहले से ही चोरी, स्नैचिंग, वाहन चोरी तथा आर्म्स एक्ट सहित आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी से पांच अलग अलग मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। द्वारका जिला पुलिस ने बताया कि आरोपी से बरामद सामान के संबंध में आगे की जांच जारी है और उसके अन्य साथियों एवं अपराधिक गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि राजधानी में स्नैचिंग और वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

सी.एम नायब सैनी ने सिरसा जेई-एएसआई चार्जशीट के दिए आदेश

पूर्व राज्यपाल-चेयरमैन जांगड़ा और गोबिंद कांडा शामिल; परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज 23 जुलाई को सिरसा दौरे के दौरान चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएनयू) सिरसा के ऑडिटोरियम हॉल में जिला लोक समिति एवं कष्ट निवारण समिति (ग्रीवेस) की मीटिंग में बजली निगम के एक जेई और रानियाँ थाना के एसआरओ को चार्जशीट करने के आदेश दिए। एक मामले में विशिलेस जांच के आदेश दिए। 18 शिकायतों पर सुनवाई हुई। नीट की लेकर स्ट्रुटेड पर लाठीचार्ज के सवाल पर सीएम नायब सैनी ने मीडिया को दिए बयान में कहा, हरियाणा में उल्टा हुआ, जिसमें एक बच्चा, माता-पिता ने कोई शिकायत नहीं की है। हमारे यहां नीट का पेपर हुआ, हमने युवाओं को ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराई। निष्पक्ष ने जो तांडव खड़ा किया है। कांग्रेस पार्टी हो या इंडिया गठबंधन के ई-निर्दोष के लोग हो। युवाओं को भड़काने, झूठ बोलकर उनको

बारगलाने का काम किया है। ये विश्व किया है और सरकार गंभीरता से युवाओं के साथ काम कर रही है। अगर कहीं इस प्रकार का घटनाक्रम हुआ है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। काग्रिस और उईया गठबंधन को अपने गिरवां के अंदर झांककर देखना चाहिए। इनके समय में युवाओं के साथ किस प्रकार का बर्ताव होता था, कितने पेपर लीक हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ही विजन है युवाओं को सशक्त एवं मजबूत करना। युवाओं में विश्वास बहाली करना। ये विश्वास बहाली करने का काम प्रधानमंत्री ने किया है। काग्रिस ने युवाओं का विश्वास तोड़ा था और काग्रिस के समर्थित लोग है, दल है, उन्होंने विश्वास तोड़ा था। रानियां के दौरे सतनाम सिंह निवासी कैलाश को ने बताया कि 13 जनवरी 2026 को सुबह जवाब वह दुकान से सामान लेकर अपने घर जा रही थी तो दाणी सतनाम सिंह से गुरसेवक और

उसके परिजन लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। उसकी चीख सुनकर उसके 13 साल के नाबालिग बच्चे ने उसे बचाने की कोशिश की तो उसे भी बुरी तरह से पीटा व दांत तोड़ दिया और उसे भी चोटें मारी। इसकी पुष्टि एम्पलआर रिपोर्ट से की जा सकती है, परंतु सानिया के एएसआई राजेश कुमार द्वारा कानूनी कार्रवाई करने के बजाय उसके नाबालिग के बयानात

लिखकर खुद ही फर्जी साइन करके सरकार को गुमराज किया जा रहा है। कैलाश को ने उक्त केस के आईओ राजेश कुमार द्वारा इस मामले में किए गए उक्त फर्जी साइन करने की फोरेसिक जांच करवाकरुरुद्ध सच्चाई उजागर करने का अनुरोध किया। इस पर सीएम नायब सिंह ने पीडिता की सुनवाई करते हुए एसआई राजेश कुमार को चार्जशीट करने के आदेश जारी

केए गूडियाखेड़ा निवासी विनोद कुमार ने सीएम के समक्ष समस्या रखते हुए कहा, उसने एक सोलर पैनल के लिए 18 दिसंबर 2024 को आवेदन किया था। सोम कोर्पोरेशन हिंसार द्वारा उसे सोलर पैनल लावाना था, जिसके बाद उसका नाम लिस्ट में आ गया, जिसका एप्लीकेशन नंबर भी जिसके बाद उसने कंपनी को 14 हजार रुपए 6 मार्च 2025 को और 8470 रुपए 20 मार्च 2025 को उसके खुले से भुगतान कर दिया था। एकम देवे व लिस्ट में नाम आने के बाद भी उसके घर अभी तक कंपनी द्वारा सोलर पैनल नहीं लगाया गया। इस बारे में कई बार कंपनी में संपर्क किया, परंतु अभी भी तक किसी प्रकार की कोई सुनवाई ना हुई है। सभी पर कार्रवाई करते हुए न्याय दिलवाने की मांग की। सीएम ने जेई को चार्जशीट के आदेश दिए। चरनगढ़ पट्टी से नजीक अलम गांव निवासी विजय कुमार ने सीएम के समक्ष समस्या

खते हुए कहा, उसे सेक्टर 21 में फ्लैट नंबर 387 प्रथमफ्लैट पर अलॉट किया गया, जिसके लिए उससे 550000 रुपए भरवानी थे। उपरोक्त फ्लैट की बुकिंग के समय उसके द्वारा रसीद संख्या 14 सितंबर से 55000 रुपए भरवाई गए थे। दूसरी किस्त 130052 रुपए 9 अक्टूबर को जमा करवाई गए, जिसकी रसीद उसके पास है। 15 दिसंबर 2020 को उसे हिसार कार्यालय बुलाया गया। वह कम पहचानिखा है और उसे सिना कुल समझाए अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर कवा लिए गए, परंतु फ्लैट का मौलिक कच्चा व चाबी आज तक नहीं मिली है। तत्कालीन ईंग्रैंज ऑफिस कक्कड़ ने उसे बताया कि फ्लैट में मूलभूत सुविधाएं जैसे सिनेस, पानी व बिजली कनेक्शन अभी तक नहीं लगा हुआ है और सुविधाएं उपलब्ध करवाने ही फ्लैट का कच्चा दे दिया जाएगा। उपरोक्त फ्लैट के आवेदन के दौरान 550000 रुपए की कुल कीमत तय की गई थी, परंतु अब विभाग द्वारा 1077937 रुपए की मांग की जा रही है,

संक्षिप्त डायरी

**फरीदाबाद में 2 हजार रिश्वत लेते
पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार**



करीदाबाद (एजेसी) | भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने NIT-5 थाने में तैनात सिपाही पंकज को 2 हजार रुपए की रिशवत लेते हुए रीं हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम ने आरोपी को मौके से ही रिशवत लेकर की रकम सहित पकड़ डाली है। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जांच शुरू कर दी गई है। एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता सौरभ ने ब्यूरो को शिकायत दी थी कि वर्ष 2020 में एनआईटी थाने में दर्ज एक मामले के संदर्भ में उसके चाचा के नाम कोर्ट से नॉटिस आया था। इस नॉटिस पर का जवाब तैयार कराने और मामले में कार्रवाई में मदद करने के नाम पर एनआईटी-5 थाना में तैनात सिपाही पंकज उससे 2 हजार रुपए की रिशवत मांग रहा था। शिकायतकर्ता रिशवत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने इसकी जानकारी एसीबी को दी। टीम ने प्लान के तहत रीं हाथ पकड़ा। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पहले पूरे मामले को सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने सिपाही को रीं हाथ पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता सौरभ सिपाही की रकम लेकर सिपाही के पास पहुंचा। जैसे ही उसने सिपाही पंकज को 2 हजार रुपए दिए, पहले से निगरानी कर रही एसीबी की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर ही रिशवत की रकम सहित गिरफ्तार कर लिया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी सिपाही के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई प्रक्रिया पूरी की गई है। फिलहाल एसीबी पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पलवल में घर के बाहर फायरिंग का मुख्य आरोपी काबू



पलवल(एजेंसी) जिले के चांदहट गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक घर पर फायरिंग करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीआईए टीम ने गुप्त सूचन के आधार पर कारवाई करते हुए आरोपी विपिन उर्फ रसगुल्ला को पकड़ा जो चांदहट गांव का ही निवासी है। यह घटना 19 जुलाई की रात को हुआ था। कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि चांदहट में लाले उर्फ अजित के घर पर कुछ युवकों ने अंधाधुंध फायरिंग की है। पड़ित लाले उर्फ अजित ने बताया कि विपिन उर्फ रसगुल्ला अपने एक साथी के साथ स्वयंघात गैंग में आया और गाली-गलौज करने लगा। जब लाले अपने घर के गेट के तलफ आए, तो विपिन ने उन्हें जान से मारने की नीयत से सीधी गोली चला दी। गोली गेट पर लगी थी गोली गनीमत रही कि शिकायतकर्ता समेत रहते पीछे हट गए और गोली सीधे नेत्र गेट पर जा लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए थे। इस संबंध में चांदहट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी प्रिस्टाल और कार भी बरामद की मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (रह) ने जांच सीआईए पलवल को सौंप दी थी। सीआईए टीम ने गोली चलाने वाले मुख्य आरोपी विपिन उर्फ रसगुल्ला को पलवल के अलावल्पुर चौक से गिरफ्तार किया आरोपी से पट्टाछाड़ जारी है पुलिस आरोपी से वारदात में इस्तेमाल की गई प्रिस्टाल और कार की बरामदगी के साथ-साथ घटना स्थल की निशानदेही के लिए उसे पुलिस रिमांड पर लेगी।

कैथल में युवक का रास्ता

रोककर 4 राउंड हवाई फायरिंग

वैशाल (एनजेसी)। गांव दुसेपुर के पास स्कॉर्पियो और थार गाड़ियों में आए कई आरोपियों ने एक युवक का रास्ता रोक लिया और हवाई फायर करते हुए जान से मारने की धमकी दी। जब युवक आरोपियों की वीडियो बनाने लगा तो सभी उसे धमकी देकर कारों में सवार होकर फरार हो गए। इस संबंध में पीड़ित ने गृहला थाना में शिकायत दी है।

पुलिस में आरोपियों की खिलाफ केस दर्ज कर लिया है गांव खरका निवासी गुरमेज सिंह राणा ने गुहला थाना में दो शिकायतों में बताया कि वह 21 जुलाई को वह गुहल रोड चौका स्थित अपने कार्यालय से रात करीब पौने 10 बजे अपने घर के लिए चला था। जब वह गांव दुमरेपु के पास दाबनखेड़ी रोड पर शारदा स्कूल के पास पहुंचा, तो वहां पर 2 स्कॉर्पियो व 2 थार गाड़ियां खड़ी थी उसके वहां पहुंचते ही गाड़ियों में सवार लोगों ने 4 हवाई फायर किया। इस पर उसने अपनी गाड़ी को वहां आगे बढ़ा लिया भी नहीं स्कोर्पियो गाड़ी के ड्राइवर ने अपनी गाड़ी तेज स्पीड में करके उसके आगे खड़ी कर उस गाड़ जाम करने की कोशिश की और और रुकने का इशारा किया। उस गाड़ी के शीशों पर काली फिल्म लगाी होने के कारण उसमें बैठे व्यक्तियों की संख्या का सही अनुमान नहीं लगा। उसने डर के संपर्क में अपनी गाड़ी सुलतानिया पेट्रोल पम्प पर खड़ी कर ली तभी काले रंग की थार गाड़ी उसके पास आकर रुकी और उसने गाड़ी से नीचे उतरकर आरोपियों की वीडियो बनाने की कोशिश की, तो वे एकदम से अपनी गाड़ी वहां से भाग ले गए। जाते हुए आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है किेस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस गुहला थाना के जांच अधिकारी रणदीप सिंह ने बताया कि इस संबंध में पुलिस के पास शिकायत आई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर में हनुमान चालीसा
पढ़ते एडवोकेट पर तानी पिस्टल



मुन्नागन (एजेंसी)। राम मंदिर में हमुना चालीसा पाठ के दौरान जगमग बवाल हो गया। यहां पाठ कर रहे वकील और उसके साथियों के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। आरोप है कि हमलावर हथियार लेकर मंदिर में घुसे और पिस्टल दिखाकर धमकाया। मंदिर में स्थापित मूर्तियों को बाहर फेंकने की धमकी भी दी। वृह भी आरोप है कि बंधक बनाकर उन्हें मंदिर से बाहर निकलने से भी रोका गया। कपड़े फाड़ दिए गए। मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग मारपीट करने नजर आ रहे हैं। महिलाएं भी दिखाई दे रहीं हैं। सैक्टर 17 थाना पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को नामजद करने हुए केस दर्ज कर लिया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह मंदिर 65 साल पुराना है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जगमगा की श्रीनगर कलौनी निवासी एडवोकेट चक्षु जुनेजा ने दावा किया कि उनके दादा ने 1961 में गुरुनानकपुरा में श्री राम मंदिर का निर्माण कराया था। दादा के निधन के बाद मंदिर की देखरेख उनके पिता पवन कुमार जुनेजा ने की, फिर उनकी बुआ शारदा ने यह जिम्मेदारी उनका और अब वह स्वयं इसकी देखरेख कर रहे हैं। चक्षु जुनेजा ने आरोप लगाया कि नरेंद्र, पुनीत, राजेंद्र सिक्का और एक अज्ञात पिस्टलधारी व्यक्ति

सहित कई लोग पिछले कुछ समय से मंदिर के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं। आरोपी लगातार ब्रह्मचालाओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास करते हैं। पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी एडवोकेट ने बताया कि उन्होंने जून में मंदिर में नई मूर्तियों की स्थापना करवाई थी। शनिदेव को समर्पित अखंड ज्योति भी प्रज्वलित थी थी, जिसके बाद से आरोपी उनसे रंजित रखने लगे। मोलवजारी की शाम करीब 7:15 बजे वह अपने साथियों अजय कुमार, सदीप कुमार, विनय शर्मा और मंदिर के पुजारी के साथ मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। श्रेष्ठी दौलान आरोपी वहां पहुंचे और कुछ देर बाद मंदिर ने उन पर हमला कर दिया। उनका गला दबाने की कोशिश थी। आरोप है कि उनके साथ हाथापाई की, जबकि पिस्टल लेकर आया और धमकी दी कि तुझे यहीं गाड़ देंगे। आरोप है कि इस दौरान उनके कपड़े भी फाड़ दिए गए। चबुत जुनौनो ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें मंदिर से बाहर निकलने नहीं दिया और बंधक बनाकर गोली मारने की धमकी दी। आरोपियों ने यह भी धमकी दी कि मंदिर में स्थापित मूर्तियों को लाह फेंक देंगे। मंदिर में मौजूद कुछ लोगों ने किसी तरह उन्हें आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया और मूर्तियों को नुकसान होने से बचाया।

सोनीपत (एजेंसी)। 18 अगस्त को राष्ट्रीय नशा मुक्ति शायक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। डीसी नेहा सिंह ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। इस संघर्ष में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। डीसी ने सखिल सर्जन, जिला समाज कल्याण अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षण



संस्थानों और निजी संस्थानों में 18 अगस्त को यह राष्ट्रीय शपथ कार्यक्रम सुनिश्चित किया जाए। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देशभर में लगातार जन जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान के माध्यम से

करोड़ों लोगों तक नशे के दुष्प्रभावों के बारे में संदेश पहुंचाया जा चुका है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए एक स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज का निर्माण करना है। डीसी ने अधिकारियों को शपथ कार्यक्रम

का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के साथ-साथ इसकी रिपोर्ट निर्धारित पोर्टल पर समयबद्ध रूप से अपलोड करने के आदेश दिए। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों, विभागों और सामाजिक संगठनों से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निम्नाने और अधिक से अधिक लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाने का आह्वान किया।

उन्होंने जोर दिया कि नशामुक्ति समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सामूहिक प्रयासों से ही युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सकता है और एक स्वस्थ, सुरक्षित तथा सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

बी.जे.पी. जिला परिषद चेयरपर्सन की कुर्सी छिनी

करनाल (एजेसी)। BJP की जिला परिषद चेयरपर्सन प्रवेश राणा के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गुरुवार को पारित हो गया। जिला परिषद कार्यालय में उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा की मौजूदगी में फ्लोर टेस्ट कराया गया।

प्रस्ताव लाने की मांग करीब 6-7 महीने पहले उठी थी। इसके बाद प्रस्ताव की प्रक्रिया पूरी की गई और गुरुवार को जिला परिषद कार्यालय में प्लोर टेस्ट कराया गया। पार्श्वों के मुताबिक चेयरपर्सन प्रवेश राणा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग करीब 6-7 महीने पहले उठी थी।

इसके बाद प्रस्ताव की प्रक्रिया पूरी की गई और गुरुवार को जिला परिषद कार्यालय में फ्लोर टेस्ट कराया गया। 25 सदस्यीय जिला परिषद में 19 पार्षद मतदान के लिए पहुंचे। इनमें 17 ने अविश्वस प्रस्ताव के पक्ष में और 2 ने चेयरपर्सन के समर्थन में वोट दिया। बहुमत मिलने के साथ ही

प्रस्ताव पारित हो गया और प्रवेश राणा को पद से हटा दिया गया। राणापदों का कहना है कि साढ़े तीन साल का कार्यकाल बीतने के बावजूद उनके वादों में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो सका। इस दौरान उन्होंने कई बार जिला परिषद की बैठकों और अन्य माध्यमों से अपनी समस्याएँ उठाईं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। यहाँ तक कि लोग भी अपने-अपने पार्षदों से सवाल पूछने लगे, जिससे उनपर दबाव बढ़ता गया। इसी कारण ये फैसला लिया गया। पार्षद विनोद कश्यप ने आरोप लगाया कि चैयरमैन प्रवेश राणा ने ग्रांट का वितरण जातिगत आधार पर किया, जिससे अधिकांश पार्षदों में नाराजगी बढ़ती गई।

हरियाण पुलिस से भिड़े कांग्रेस युवतियों का पैदल मार्च

जंतर-मंतर लाठीचार्ज का विरोध, गुरुग्राम में जबरन DC ऑफिस घुसे; बजरंग पूनिया बोले- सबका नंबर आएगा

हरियाणा (एन०सी)। दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का हरियाणा में विरोध तेज हो गया है। गुरुवार को गुरुग्राम में लघु सचिवालय में जापन देने जा रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गेट पर ही रोक लिया। इसे लेकर पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच धक्का-मुक्की हो गई। कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसके कांग्रेसी वहां लाठी बैरिकेड हटाकर डीसी दफतर पहुंच गए। उधर, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स ने प्लास छोड़कर रोष मार्च निकाला। सिरसा में खंबड ने ताम्र देवीलाल की प्रतीमा के सामने दिन-रात का धरना शुरू कर दिया है। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के बाद एनएसयूआई की अगुवाई में स्टूडेंट्स ने गेट के बाहर प्रदर्शन कर शिक्षामंत्री धीरेंद्र प्रधान का

युतला फूँका। यमुनानगर, कुरुक्षेत्र में भी प्रदर्शन हुए।
दिल्ली जंतर-मंतर पर स्टूडेंट्स पर हुए लाठीचार्ज को लेकर सिरसा में उट नायब सैनी से सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में उल्टू किसी भी नोट परीक्षा शक्तिपूर्ण है। किसी छात्र या अभिभावक ने शिकायत नहीं की, बल्कि सरकार ने परीक्षार्थियों के लिए परिवहन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराईं।
उ ने कहा कि विपक्ष और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने युवाओं को झूठ बोलकर भड़काने का काम किया है। सरकार युवाओं के हित में गंभीरता से काम कर रही है। अगर कहीं ऐसी घटना हुई है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कांग्रेस अपने कार्यकाल में साथ पेपर लीक और युवाओं के साथ हुए व्यवहार पर जाबवा दे।
बजरंग पुनिया बोले- राम के नाम

पर लूट मचाने वाले किसी को नहीं छोड़ेंगे।
बजरंग पुनिया ने कहा कि सरकार का पहला कदम कमेटी बनाना होता है। इस कमेटी का मकसद केवल मौके पर जुटी भीड़ को तितर-बितर करना और आंदोलन को कमजोर करना होता है।
सच्ची सुरक्षा आपस में एक होने से है, न कि जाति या धर्म के नाम पर बंटने से। 'एक हैं तो सेफ हैं'।

का नारा तभी साकार होगा जब सब साथ आएंगे। देश में न बेहतर शिक्षा मिल रही है और न ही स्वास्थ्य। जब तक व्यवस्था ठीक नहीं होती, तब तक यह क्रांति रुकनी नहीं चाहिए।

गुरुग्राम में हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया की अगुवाई में मशाल लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने भाजपा सरकार मुदाबांद के नारे लगाई

और नीट मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेश प्रधान का इस्तीफा मांगा। दिल्ली में स्टूडेंट्स खासकर लड़कियों पर हुए लाठीचार्ज के सवाल पर हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शिनी ने कहा- देखिये, पहली बात तो ये सवाल मेरे से नहीं करना चाहिए। वो एक राजनीतिक इन्फ्लुएंस है। लेकिन जिसके साथ भी इस तरह की ज्यादाती, चाहे कोई भी हो चाहे बेटीयाँ हों, भाई हों या बहनें हों अगर ज्यादाती किसी भी तरह की होती है तो वह गलत है और वो नहीं होना चाहिए। और जिस तरह की हुई है सरकार उसका सज्जान भी ले रही है, लेकिन ये कुछ उपद्रवी लोग आते हैं जो इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन बहनें-बेटियों के साथ हम लोग पूरी तरह से खड़े हैं। उनके

इलाज में सरकार कोई कमी नहीं छोड़ रही है। लेकिन ये जिस तरह से अगर आप धार्मिक प्रदर्शन करते हैं तो उसमें हमें बहुत धैर्य के साथ और शांतिपूर्ण तरीके से करना चाहिए। सबको अपनी बात बोलने का अधिकार है। मुझे लगता है जल्दी सब ठीक हो जाएगा।

कहर द्वारा लड़की को थपड़ मारने और एक पुलिस कर्मी द्वारा लड़की को पीछे डंडे से खोंद मारने की वीडियो वायरल होने के सवाल पर चेयरपर्सन बोली-अगर ऐसा हुआ है तो गलत है, हम निश्चित तौर पर सज़ान लेगे सिस्टा में जजपा नेता दिग्विजय चौटाला ने कहा कि नीत प्रीक्षा के परिणामों और प्रक्रियाओं को लेकर छात्रों में भारी असंतोष है और उनके साथ अन्याय हुआ है। वच्चे रात-दिन मेहनत करते हैं, उनके माँ-बाप अपना सब कुछ दान पर लगा देते हैं।

एसएसपी से मिले शुजाअत राणा, सिविल लाइन पुलिस को दिए निर्देश



स्वदेश प्रेम / सावांदाता मुजफ्फरनगर। किसान नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी शुजाअत राणा ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा से मुलाकात कर अंकुर दुआ के खिलाफ दर्ज कराए गए शिकायती प्रार्थना पत्र पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि शिकायत दिए कई दिन बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे जनपद के अमनपसंद लोगों में निराशा और मायूसी है। शुजाअत राणा ने एसएसपी से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की, जिसके बाद सिविल लाइन पुलिस ने तुरंत निष्पक्ष जांच के आदेश दिए गए। इसके बाद शुजाअत राणा सिविल लाइन एसओ से मिले। पुलिस ने शुजाअत राणा से साक्ष्य लिए तथा कार्रवाई का ठोस आश्वासन दिया गया। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना सिविल लाइन पुलिस को शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा शुजाअत राणा की बात सुनने के निर्देश दिए। इसके बाद शुजाअत राणा ने थाना सिविल लाइन पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक से मुलाकात की। इस दौरान पुलिस की ओर से उन्हें निष्पक्ष एवं विधिसम्मत कार्रवाई का ठोस आश्वासन दिया गया। बैठक के बाद शुजाअत राणा ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस बेहतर कार्य कर रहे हैं तथा वह एसएसपी संजय कुमार वर्मा की कार्यशैली की सराहना करते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में भी संबंधित मामले में असामाजिक तत्व के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वह अपने पूर्व घोषित निर्णय के अनुसार भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष से द्वेष नहीं, बल्कि कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित कराना है, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द कायम रहे।

इनर व्हील क्लब वाराणसी मित्रम की अध्यक्ष बनीं डाक्टर शालिनी सिंह,पदग्रहण समारोह में हुए कई सेवा प्रकल्प



(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- इनर व्हील क्लब वाराणसी मित्रम का पदग्रहण समारोह ककरमता स्थित एक होटल में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर डाक्टर अनुराधा भाटिया तथा क्लब की संस्थापिका पीएटी/पीडीसी डाक्टर अंजलि अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सत्र 2026-27 के लिए, नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। नई टीम में डाक्टर शालिनी सिंह ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा सतरूपा को वाइस प्रेसीडेंट, वंदना श्रीवास्तव को सचिव, डाक्टर ममता तिवारी को कोषाध्यक्ष, गीता अग्रवाल को आईएसओ तथा डाक्टर सरोज राय को एडिटर नियुक्त किया गया। अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डाक्टर शालिनी सिंह ने सेवा, सामाजिक सरोकार और महिला सर्वाधिकरण के क्षेत्र में क्लब की गतिविधियों को और विस्तार देने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह के दौरान विभिन्न सामाजिक प्रकल्प भी संचालित किए गए। रोटी बैंक को खाद्य सामग्री प्रदान की गई। विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई तथा पॉलीथिन मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जूट के थैले और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम में श्रेयसी मिश्रा ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। समारोह का संचालन डाक्टर अंजलि अग्रवाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सतरूपा ने दिया। इस अवसर पर निशा, श्वेता, शाइस्ता, मंजू केशरी, उमा केशरी सहित क्लब की अनेक सदस्यएं उपस्थित रही।

बैंक ऑफ बड़ौदा अंचल कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 29वीं अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित, राजभाषा कार्यान्वयन की हुई व्यापक समीक्षा



(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी :- बैंक ऑफ बड़ौदा अंचल कार्यालय वाराणसी के संयोजन में कार्यरत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक एवं बीमा) वाराणसी की 29वीं अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक अध्यक्ष मिथलेश कुमार महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख बैंक ऑफ बड़ौदा वाराणसी अंचल की अध्यक्षता एवं डाक्टर छबिल कुमार मेहेर, उप निदेशक, कार्यान्वयन, राजभाषा विभाग, गुड मंत्रालय भारत सरकार के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुई। सर्वप्रथम उप महाप्रबंधक (अनुपालन एवं आश्वासन) मनोज कुमार बक्शी ने नराकास (बैंक एवं बीमा) वाराणसी के सभी सदस्यों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं सभी कार्यपालकों द्वारा दीप प्रज्वलन कर बैठक का विधिवत प्रारम्भ किया गया। तदुपरांत, समिति की छमाही पत्रिका काशी वाणी के 28वें अंक एवं नराकास (बैंक) वाराणसी के मासिक न्यूज लेटर साहित्य श्रृंखला का ई-विमोचन भी मंचासीन द्वारा किया गया। बैठक में सभी सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में डाक्टर पुनीत कुमार मिश्र प्रमुख राजभाषा एवं संसदीय समिति, बैंक ऑफ बड़ौदा प्रधान कार्यालय का मार्गदर्शन भी वेब के माध्यम से प्राप्त हुआ। उप महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास), बैंक ऑफ बड़ौदा अंचल कार्यालय वाराणसी भोला नाथ त्रिवेदी त्रिवेदी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नगर आयुक्त ने की जनसुनवाई, शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

स्वदेश प्रेम गिरीश कुमार

मथुरा। नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त श्री ओजस्वी राज द्वारा जनसुनवाई आयोजित कर आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने सफाई व्यवस्था, जल निकासी, सड़क, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, कर संबंधी मामलों तथा अन्य नगर निगम से जुड़ी शिकायतें एवं समस्याएं नगर आयुक्त के समक्ष रखीं। नगर आयुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित



अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकारों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा



कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा किसी भी स्तर पर

के भीतर उसका समाधान कराया जाए। साथ ही नागरिकों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनहित सर्वोपरि है और नागरिकों को बेहतर एवं पारदर्शी नगर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

गरीब बेटियों के सपनों को मिले नए पंख: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गोण्डा में 293 जोड़े बने जीवनसाथी

स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोण्डा

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत गुरुवार को रायल पैराडाइज मैरिज हॉल, गोण्डा में भव्य एवं गरिमामय सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूरी सदागी, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर एक ही मंडप में 293 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे और अपने नए जीवन की शुरुआत की। जनपद के विभिन्न विकासखंडों तथा नगर निकायों से 355 जोड़े उनीकृत थे, जिनमें से 293 जोड़ों का विवाह विधिवत संपन्न कराया गया। इनमें 280 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार सम्पन्न हुआ, जबकि 13 मुस्लिम जोड़ों का निकाह इस्लामिक परंपरा के अनुरूप मौलवी साहिबे आलम द्वारा कराया गया। यह आयोजन सामाजिक समरसता, सौहार्द और भाईचारे का जीवंत उदाहरण बना। समारोह में मा० विधायक मनकापुर रामपति शास्त्री, मा० विधायक गौरा प्रभात वर्मा, जिलाधिकारी श्रीमती



प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद, माननीय सांसद गोंडा एवं केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री के प्रतिनिधि यूपी सिंह, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, सुशील कुमार पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि

राहुल गांधी के संसद में आचरण पर भाजपा नेता जैफ खा मंसूरी ने उठाए सवाल

स्वदेश प्रेम / करन सिसौदिया

कोटा। दादाबाड़ी मंडल सदस्य एवं भाजपा नेता जैफ खा मंसूरी ने संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कथित आचरण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं बताया। जैफ खा मंसूरी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का पद एक महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्व है, जिससे जिम्मेदारी, संयम और गरिमापूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। उनके अनुसार, संसद देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है, जहां सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार और विरोध लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन विरोध और अव्यवस्था के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक



संस्थाओं की गरिमा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। भाजपा नेता ने कहा कि देश की जनता अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से मर्यादित, जिम्मेदार और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप आचरण की अपेक्षा करती है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मानकों का पालन करने का आग्रह किया।

बिजली विभाग की बकाया वसूली एवं उपभोक्ता सत्यापन अभियान तेज, घर घर पहुंच रही विभागीय टीम

स्वदेश प्रेम गिरीश कुमार

मथुरा। विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, राज्य वसूली बढ़ाने तथा लाइन लॉस में कमी लाने के उद्देश्य से मथुरा ग्रामीण उपकेंद्र कोसी के अंतर्गत टाउन क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अवर अभियंता (जेई) एवं लाइन स्टॉफ बकायेदार तथा हाई लॉस फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं। अभियान के दौरान विभागीय टीम उपभोक्ताओं को बकाया विद्युत बिल समय पर जमा करने के लिए प्रेरित कर रही है। साथ ही मौके पर ही बकाया राशि जमा कराई जा रही है तथा विद्युत संयोजनों की जांच भी की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी कनेक्शन नियमानुसार संचालित हो रहे हैं और कहीं भी बिजली चोरी या अन्य अनियमितताएं नहीं हो रही हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य राजस्व वसूली को गति देना, हाई लॉस फीडरों पर होने वाले विद्युत नुकसान को कम करना तथा



उपभोक्ताओं को निर्बाध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल बकाया है, उनसे शीघ्र भुगतान करने की अपील की जा रही है। वहीं जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर विद्युत अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 गोवर्धन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, यात्रियों की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



स्वदेश प्रेम गिरीश कुमार गोवर्धन। विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने गोवर्धन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, यात्री मार्गदर्शन, प्रकाश व्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। रेलवे स्टेशन पर सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जाएं तथा साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को और



अधिक प्रभावी बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने, यात्रियों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए रेलवे प्रशासन, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और सजगता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। प्रशासन द्वारा की जा रही सतत निगरानी और व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा से स्पष्ट है कि मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 को सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-हितैषी बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि आस्था के इस महापर्व में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा और दर्शन का अनुभव प्राप्त हो।

119 जोड़ों की एक साथ बजी शहनाई: तुलसीपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना बना खुशियों का महाकुंभ, जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को दिया शुभाशीष

स्वदेश प्रेम, रमजान अली।

बलरामपुर उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शुक्रवार को तहसील तुलसीपुर स्थित एमडीएस मैरिज हॉल लॉन में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन में खुशियों की सौगात लेकर आए इस समारोह में 119 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया।

समारोह में 84 जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चारण एवं हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार सम्पन्न हुआ, जबकि 35 जोड़ों का निकाह

मुस्लिम परंपराओं के अनुरूप कराया गया। पूरे आयोजन में उत्साह, उल्लास और सामाजिक समरसता का अनूठा संगम देखने को मिला। नवदंपतियों एवं उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीपुर विधायक श्री कैलाश नाथ शुक्ला रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक गैसडी श्री शैलेश कुमार सिंह 'शैलू', ब्लॉक प्रमुख गैसडी, नोडल अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए, खंड विकास अधिकारी तुलसीपुर, गैसडी एवं पंचपेड़वा, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी



संख्या में आमजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय दायित्व जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह योजना गरीब परिवारों को विवाह का आर्थिक बोझ कम करने के साथ-साथ सामाजिक समानता और सौहार्द को भी मजबूत कर रही है। इस अवसर पर विधायक कैलाश

₹64,000 सीधे कन्या के बैंक खाते में, ₹21,000 की उपहार सामग्री नवदंपति को तथा ₹15,000 विवाह समारोह के आयोजन एवं व्यवस्थाओं पर व्यय किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह जनकल्याणकारी योजना जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सबल प्रदान करने के साथ-साथ समाज में सम्मान, समानता और सामाजिक सद्भाव को भी सशक्त बना रही है। बड़ी संख्या में पात्र परिवार इस योजना का लाभ उठाकर अपनी बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न करा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक चिंता से राहत मिल रही है।



राघव जुयाल संग डेटिंग की अफवाहों पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में शहनाज गिल और राघव जुयाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब शहनाज ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'प्लीज मुझे पर्सनल सवाल मत पूछिए।' शहनाज ने राघव को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने अफेयर की खबरों पर ध्यान न देते हुए बातचीत का रुख राघव के काम की तरफ मोड़ दिया।

फैंस से की फिल्म देखने की अपील

शहनाज ने राघव की आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को सपोर्ट करने की अपील की है। उन्होंने राघव की तारीफ करते हुए कहा, राघव पहली बार किसी फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता नजर आने वाले हैं। उनका कोई फिल्म बैकग्राउंड नहीं है, उन्होंने आज जो भी मुकाम हासिल किया है वह सिर्फ अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर किया है। इसलिए, सभी लोग सिनेमाघरों में जाकर उनकी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को जरूर देखें और उन्हें पूरा सपोर्ट करें।

कब रिलीज होगी 'भाई तेरा स्टार है'

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में राघव जुयाल मुख्य भूमिका (अजय सिंह) में नजर आएंगे, साथ ही संजय कपूर और निहारिका एनएम भी प्रमुख किरदारों में हैं।

दर्शकों से मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल-4' और 'इक्का' की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया।

अभिनेत्री संजीदा शेख ने लिखा, किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई 'धमाल-4' और 'इक्का' एक ही दिन रिलीज होगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूँ। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की

कोशिश कर रही हूँ। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया।' फिल्म 'धमाल-4' में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह 'भाभी' (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। नेटपिलक्स की फिल्म 'इक्का' एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने 'गौरी' (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है। 'धमाल-4' और 'इक्का' दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थ्रिलर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटपिलक्स पर हुआ।

प्रियंका चोपड़ा ने की राजामौली की तारीफ

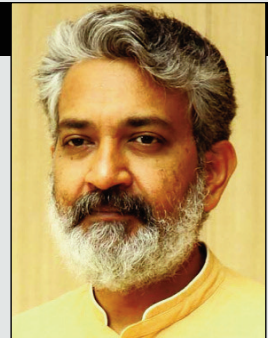
ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूँ। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मैं इसमें कई शानदार स्लोट्स-

मोशन जंप करती हूँ।' हाल ही में वैयाट्टी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूँ।' प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिश्चित, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूँ। मुझे एक डांस सोनो करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

2027 में रिलीज होगी है फिल्म

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्टूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।



हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनो इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रैलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है। बोलों- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते' रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे

अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरी की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आए, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं। मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देती और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वक्त फर्क की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

मैंने हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है जिनमें महिलाओं का किरदार प्रभावशाली हो

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए। अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, 'मैं हमेशा से मानता आया हूँ कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'कू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।' उन्होंने अपनी बेटीयों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया।



सही मौके पर सही जगह होने के चलते मिला करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने अपने अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उन्हें पहचाना 'मिर्जापुर' सीरीज के उनके 'बीना त्रिपाठी' के किरदार से ही मिली। अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें एक बार फिर रसिका बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन हाल ही में रसिका ने बताया कि बीना का किरदार उन्हें किस्मत से मिल गया। सही मौके पर सही जगह होने के चलते उन्हें अपने करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार मिला।

बातचीत में रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' के अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'मिर्जापुर' लगभग नहीं हो पाता। हालांकि वह इसके क्रिएटर करण अंशुमन को जानती थीं, लेकिन उनसे काम मांगने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मिर्जापुर के लिए मैं करण अंशुमन को जानती थी, जो सीजन 1 के क्रिएटर और डायरेक्टर

में से एक थे। किसी ने मुझे बताया कि वह यह शो बना रहे हैं। मैंने कहा, 'अगर करण मुझे कास्ट करना चाहते, तो वह मुझे बुलाते।' मेरी दोस्त ने कहा, 'तुम उन्हें याद दिलाने के लिए एक मैसेज क्यों नहीं भेजती?' मैंने कहा, 'मैं उनके लिए स्थिति अजीब नहीं बनाना चाहती। दोस्तों का मैसेज आना कि 'रोल दे दो, ऐसी स्थिति है जिससे आप आसानी से निकल नहीं सकते।' लेकिन फिर मैंने कहा ठीक है, मैं उन्हें मैसेज करूंगी।

किरदार को लेकर नर्वस थीं

उस फैसले ने सब कुछ बदल दिया। रसिका ने आगे कहा कि मुझे एक मिनट के अंदर ही जवाब मिला, 'बिल्कुल, चलो इस बारे में मिलते हैं।' जब मैं उनसे मिली, तो उन्होंने कहा, 'मैंने तुमसे इसलिए नहीं पूछा क्योंकि तुम 'मंदो' में नवाज के अपोजिट कास्ट हुई थी। मुझे लगा कि शायद तुम स्ट्रीमिंग शो नहीं करना चाहती। शायद तुम सिर्फ फिल्में

करना चाहती हो।' मैंने कहा, 'क्या आप पागल हैं? बिल्कुल, मैं यह जरूर करूंगी।' जब मैंने वह हिस्सा पढ़ा, तो मुझे लगा, 'वाह, शुक्रिया।' मैं लगभग डर ही गई थी।

किस्मत से मिला 'दिल्ली क्राइम' में रोल

एक्ट्रेस ने 'दिल्ली क्राइम' में अपनी कास्टिंग को लेकर भी बताया। उन्होंने बताया कि कैसे किस्मत से उन्हें यह रोल मिला। एक्ट्रेस ने कहा कि इसी तरह 'दिल्ली क्राइम' के मामले में भी सही समय पर सही जगह पर होना काम आया। मैं 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रही थी, जिसमें मेरा छोटा सा रोल था। मैं रिची मेहता को जानती थी क्योंकि हम फिल्म फेस्टिवल में मिल चुके थे, जब मैं 'किस्सा' के साथ ट्रैवल कर रही थी। लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह कुछ नया बना रहे हैं और मैंने उनसे संपर्क भी नहीं किया था। इतोफाक से रिची उसी लोकेशन पर आए जहां हम 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रहे थे, ताकि वह अपने किसी दूसरे शो के लिए लोकेशन का जायजा कर सकें। मजेदार बात यह है कि वह शो तो नहीं बना, लेकिन 'दिल्ली क्राइम' बन गया। उन्होंने सोचा, 'अरे, मैं अभी रसिका से मिला। वह इस रोल के लिए बहुत अच्छी रहेगी।' एक्ट्रेस का मानना है कि टैलेंट इस पूरी प्रक्रिया का बस एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह किस्मत की बात है। सही जगह, सही समय। यह सब उसी पर निर्भर करता है।



संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन, हरित भविष्य की ओर भारतीय रेल की ऐतिहासिक छलांग

भारतीय रेल केवल एक परिहर्न व्यवस्था नहीं, बल्कि भारत की सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत इतिहास है। पिछले लगभग डेढ़ सौ वर्षों में इसने अनेक परिवर्तन देखे हैं। एक भी भाप के इंजन भारतीय रेल की पहचान थे। उसके बाद डीजल इंजनों ने गति और शक्ति का नया अध्याय लिखा। फिर विद्युत इंजनों ने भारतीय रेल को आधुनिकता, दक्षता और ऊर्जा बचत की नई दिशा प्रदान की। सीमित स्तर पर सीएनजी आधारित प्रयोग भी हुए। अब भारतीय रेल एक और ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुँच चुकी है। हरित हाइड्रोजन से संचालित देश की पहली ट्रेन भारत के परिवहन इतिहास में एक नई क्रांति का स्वरूप करेगी या नहीं है।



सम्पादक
न मोहम्मद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के जीएन से भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह केवल एक रेगुलारी का शुभारम्भ नहीं होगा, बल्कि विकास भारत, हरित भारत और आत्मनिर्भर भारत के साझा संकल्प का साकार रूप होगा। देश के करोड़ों नागरिकों के साथ-साथ पर्यावरणप्रेमियों, वैज्ञानिकों और रेलवे परिवार के लिए भी यह गौरव का क्षण होगा। भारतीय रेल का इतिहास बताता है कि हर नई तकनीक ने देश के विकास को नई गति दी है। भाप के इंजनों ने औद्योगिक युग की शुरुआत का साथ दिया। डीजल इंजनों ने लंबी दूरी की रेल सेवाओं को नई क्षमता प्रदान की। विद्युत इंजनों ने गति बढ़ाई, लागत घटाई और प्रदूषण कम किया। अब हाइड्रोजन इंजन उस यात्रा का अगला चरण है, जहाँ विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलेंगे। हाइड्रोजन ट्रेन को सबसे बड़ी विशेषता इसका स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल संचालन है। पारंपरिक डीजल इंजन जहाँ कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन करते हैं, वहीं हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन के संचालन से मुख्य रूप से जलवाष्प निकलती है। [अर्थात् ऊर्जा भी प्रुति होगी और पर्यावरण को भी सुरक्षित रहेगा।] यही कारण है कि पूरी दुनिया हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन मान रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति केवल उद्योगों या बिजली उत्पादन से संभव नहीं होगी, बल्कि परिवहन क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव आवश्यक है। भारतीय रेल पहले से ही विश्व की सबसे अधिक ऊर्जा-कुशल परिवहन प्रणालियों में शामिल है। अधिकांश रेलगाड़ों का विद्युतीकरण, सौर ऊर्जा का विस्तार, ऊर्जा दक्ष संरक्षण और अब हाइड्रोजन ट्रेन—ये सभी प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय रेल भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को निरंतर परिवर्तित कर रही है।

दिले हुए हाइड्रोजन की अवधारणा केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। यह ऊर्जा सूर्यका का भी प्रश्न है। भारत अपनी पेट्रोलियम-आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यदि परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन का उपयोग बढ़ता है, तो आयातित ईंधन पर निर्भरता कम होगी, विदेशी मुद्रा की रकत की यह पहलिया राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के उद्देश्यों को भी नई गति प्रदान करेगी। यह मिशन भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। रेल जैसी विशाल परिवहन व्यवस्था में इस तकनीक का सफल प्रयोग अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। हाइड्रोजन ट्रेन की तकनीक अत्यंत आधुनिक है। ईंधन सेल में संग्रहित हाइड्रोजन और वायु की ऑक्सीजन रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करती है। यही विद्युत मोटरों को संचालित करती है, और ट्रेन आगे बढ़ती है। इस प्रक्रिया में धुआँ नहीं निकलता और शोर भी अपेक्षाकृत कम होता है। इसलिए यह तकनीक पर्यावरण के साथ-साथ यात्रियों के लिए भी अधिक अनुकूल मानी जाती है। विषय के कई विनियमित देशों ने हाइड्रोजन आधारित रेल परिवहन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। जर्मनी, फ्रांस, इटली और चीन जैसे देशों में इस तकनीक पर निरंतर कार्य हो रहा है। भारत का इस दिशा में आगे बढ़ना इस बात का संकेत है कि देश केवल नई तकनीक का उपयोग नहीं रहना चाहता, बल्कि भविष्य की प्रौद्योगिकी के विकास और निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाने का इच्छुक है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की भावना को भी सशक्त बनाती है। भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे के तकनीकी संस्थानों ने देशी मूल संसाधनों में जिस प्रकार इस परियोजना को आकार दिया है, वह देश की तकनीकी क्षमता का परिचायक है। भविष्य में यदि हाइड्रोजन ट्रेनों का व्यापक विस्तार होता है, तो भारत इस क्षेत्र में वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र बनने की दिशा में भी आगे बढ़ सकता है। जौड़ से प्रारंभ होने वाली यह यात्रा केवल एक रेलगाड़ी तक सीमित नहीं रहेगी। यह भविष्य में उन रेलखंडों के लिए नई संभावना लेकर आणी, जहाँ पूर्ण विद्युतीकरण व्यवहारिक नहीं है। या जहाँ पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। पर्वतीय क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों और संवेदनशील परिरक्षित क्षेत्रों में हाइड्रोजन ट्रेनें एक उत्कृष्ट विकल्प बन सकती हैं। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है।



दिलीप कुमार पाठक

आज देश का युवा और छात्र वर्ग गहरे संकट में है। जब भी इतिहास में बड़े बदलाव हुए हैं, उनकी शुरुआत हमेशा कॉलोनों से ही हुई है।

छात्र देश का भविष्य होते हैं। कॉलेज अपराधी नहीं। लेकिन आज जब देश का छात्र अपनी पढ़ाई, परीक्षाओं में धांधली या रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरता है, तो उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है। एक तरफ सरकार उनका जायज मांगों को सुनने से मना कर देती है, तो दूसरी तरफ उन पर पुलिस की लाटियाँ और आंसू गैस के गोले छोड़े जाते हैं। सरकार बाबूजीत के बजाय दमन का रास्ता चुन रही है।

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो जनता आखिर कहाँ जाए? एक पक्ष के लोकतंत्र की खूबी यह होती है कि वह विविध प्रदर्शनों का समाना किया जाता है। सरकार का कर्तव्य है कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों को बुलाए, उनकी समस्याओं को समझे और मिलकर रास्ता निकाले। लेकिन मौजूदा समय में संवाद की जगह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। सत्ता में बैठे लोग इतने अहंकारी हो चुके हैं कि उन्हें जनता की आवाज सिर्फ एक शोर



लगती है। जब युवाओं से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी छीन लिया जाए, तो लोकतंत्र का मूल ढांचा ही खरों में पड़ जाता है। छात्रों पर बुरे मुकदमे दर्ज करना और उनको भविष्य की बर्बाद करना किसी भी लोकतांत्रिक देश की पहचान नहीं हो सकती। जब कार्यपालिका यांना सकारणी पूरी तरह बहरी और अंधी हो जाती है, तो देश का आम नागरिक न्याय की आखिरी उम्मीद लेकर न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाता है। भारत में सुप्रीम कोर्ट को संविधान का रक्षक और जनता का सबसे बड़ा बचाव माना गया है। यह पाँडित व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि भले ही पूरी दुनिया उसका साथ छोड़ दे, लेकिन देश की सबसे

बड़ी अदालत उसे न्याय जरूर देगी। लेकिन जब इस अदालत से यह सुनने को मिले कि हमारे पास समय नहीं है या हम इस मामले को सुनाव नहीं कर सकते हैं और न ही वीटियों देख सकते हैं हमारा वहत बर्बाद करे, तो देश के युवाओं का भरोसा पूरी तरह टूट जाता है। वह सिर्फ एक अदालती दिष्णगी नहीं है, बल्कि वह उस करोड़ों युवाओं को उमीदों पर बहुत गहरी चोट है जो दिन-रात मेहनत करके देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अगर देश के सर्वोच्च न्यायालय के पास युवाओं पर हो रहे अत्याचारों को देखने का समय नहीं हो जाए, तो फिर इस देश में न्याय की क्या परिभाषा हो जायेगी। अदालतें तकनीकी कारणों का हवाला देकर इतने गंभीर

सिक्किम हादसा: प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही?



सुनील कुमार महल

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्ट्रेज-शक जलविद्युत परियोजना के निमाणाधीन टनट (एडीआईटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2024 को निमाणाधीन सुरंग के अंदर अचानक मोथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25/27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इन एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव सपाम किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मिथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूखलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, राहत कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी,



दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां वह कहना गलत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के हलट जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अन्वेषण कर विकास कितना चुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलू कि हमारे देश में भूखखलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपत्त बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूखखलन हुए हैं। वास्तव में, अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुन कटाई, सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और

भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अत्यधिक वर्षा) भूखंडन के प्रमुख कारणों में से एक है तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूखंडन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूखंडन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998-2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूखंडनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चला कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बहरहाल, भूखंडन का यह हमारे देश में पहला हादासा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया

पेपर लीक का दशक: क्या सुरक्षित है देश के युवाओं का भविष्य?



उप संपादक
स्वदेश प्रेम
कुमार श्रीवास्तव

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएँ करोड़ों युवाओं के भविष्य का आधार हैं। लेकिन पिछले एक दशक में बार-बार सामने आए पेपर लीक के मामले ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे, राज्य लोक सेवा आयोग और अन्य भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसान पहुँचाया है। हालाँकि अक्सर यह दावा किया जाता है कि "2014 के बाद देश में सैकड़ों पेपर लीक हुए" या "हजारों छात्रों ने पेपर लीक से परीक्षा होकर	सुग्रीम कॉट ने परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई। 2016 NEET (प्रारंभिक विवाद) लीक व नकल के आरोप गिरफ्तारियाँ, सुरक्षा बढ़ाई गई। 2017 SSC CGL कथित पेपर लीक देशभर में छात्रों का प्रदर्शन, खबरें जाँच। 2018 CBSE कक्षा 10 गणित व 12 अर्थशास्त्र प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले वायरल अर्थशास्त्र की परीक्षा वापस ली। 2019
--	---

राजस्थान पुलिस भर्ती व अन्य राज्य
परीक्षाएँ
राजस्थान
लीक के आरोप
जाँच और गिरफ्तारियाँ
2020
विभिन्न राज्य भर्ती परीक्षाएँ
कई राज्य
कोविड काल में भी अनियमितताओं
के आरोप
कई जाँच
2021
UPTET
उत्तर प्रदेश
परीक्षा से पहले पेपर वायरल
परीक्षा रद्द, लाखों अभ्यर्थी प्रभावित
2021
REET
राजस्थान
प्रश्नपत्र लीक
परीक्षा निरस्त, SIT जाँच,
गिरफ्तारियाँ।
2022
राजस्थान सेकेड ग्रेड शिक्षक भर्ती
राजस्थान
पेपर लीक
परीक्षा रद्द, कई गिरफ्तारियाँ।
2022
राजस्थान सेकेड ग्रेड शिक्षक भर्ती
राजस्थान
पेपर लीक
परीक्षा रद्द, कई गिरफ्तारियाँ।
2022

बिहार शिक्षक पात्रता व बोर्ड से जुड़े विवाद
बिहार
प्रश्नपत्र लीक के आरोप
जांच व कार्रवाई।
2023
BPSC शिक्षक भर्ती
बिहार
पेपर लीक के आरोप
जांच
2023
MP पटवारी भर्ती
मध्य प्रदेश
अनियमितताओं के आरोप
जांच समिति गठित।
2024
UP पुलिस कांस्टेबल भर्ती
उत्तर प्रदेश
प्रश्नपत्र वायरल
परीक्षा रद्द, दोबारा परीक्षा; सैकड़ों गिरफ्तारियाँ।
2024
UGC-NET
राष्ट्रीय
परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक की आशंका
परीक्षा रद्द, CBI जांच।
2024
NEET-UG
राष्ट्रीय
पेपर लीक व अनियमितता विवाद
CBI जांच, कई गिरफ्तारियाँ, देशव्यापी विवाद।

2024
RPSC SI भर्ती (2021 मामला)
राजस्थान
पूर्व अधिकारी की गिरफ्तारी
जांच तेज हुई।
2026
NEET-UG 2026
राष्ट्रीय
प्रस्पन्न लीक के आरोपों के बाद
परीक्षा रद्द
CBI जांच, लाखों छात्र प्रभावित,
पुनर्परीक्षा।
2026
महाराष्ट्र TET
महाराष्ट्र
परीक्षा से पहले पेपर लीक
परीक्षा स्थगित, जांच शुरू।
इन घटनाओं से 1.7 करोड़ से
अधिक परीक्षार्थी प्रभावित हुए। इनमें
राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के साथ-
साथ कई राज्यों की भर्ती परीक्षाएँ भी
प्रभावित थीं।
इन घटनाओं के बाद अनेक परीक्षाएँ
रद्द करनी पड़ीं, दोबारा आयोजित
करनी पड़ीं और हजारों अभ्यर्थियों
को महीनों तक परिणाम का इंतजार
करना पड़ा।
पेपर लीक केवल परीक्षा रद्द होने
तक सीमित नहीं रहता। कई छात्र
वर्षों की तैयारी करते हैं, परिवार-
आर्थिक बोझ उठता है और बार-
बार परीक्षा होने से मानसिक तनाव
बढ़ता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के अनुसार वर्ष 2024 में भारत में 14,488 छत्र-छात्राओं ने आत्महत्या की। हालाँकि एनसीआरबी यह अलग से नहीं बताता कि इनमें कितने मामले सीपे-पेपर लीक के कारण थे। इसलिए पेपर लीक और छत्र आत्महत्या के बीच सीधा अँकड़ा प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। लगातार बढ़ते मामलों के बाद केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक पर नोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाया। कई मामलों की जांच सीबीआई तथा राज्य पुलिस जेआरसियों को सौंपी गई और अनेक गिरफ्तारियाँ भी हुईं। इसके बावजूद समय-समय पर नई घटनाएँ सामने आती रही हैं।

पेपर लीक केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह लाखों युवाओं के विश्वास, समय और भविष्य पर सीधा झटका है। जहाँ एक परीक्षा दाढ़ होती है, तो उसके साथ लाखों परिवारों की उम्मीदें भी प्रभावित होती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, प्रश्नपत्र वितरण की सुरक्षित व्यवस्था, त्वरित जांच और दोषियों को शीघ्र सजा ही इस समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है।



रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरुआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरुआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं। लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरुआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

- अपने दिन की शुरुआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
- बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
- इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
- अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
- कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
- बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
- इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
- बादाम और किशमिश के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है।
- जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
- आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

- रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
- सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
- इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
- इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयर्न भी अधिक मात्रा में होता है। वही खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।



बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोबिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती

है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरोन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंप्यूजन, सिरदर्द और वॉमिटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिशूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल एक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है।

ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रोशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अक्सर बंद जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है।

ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।



सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

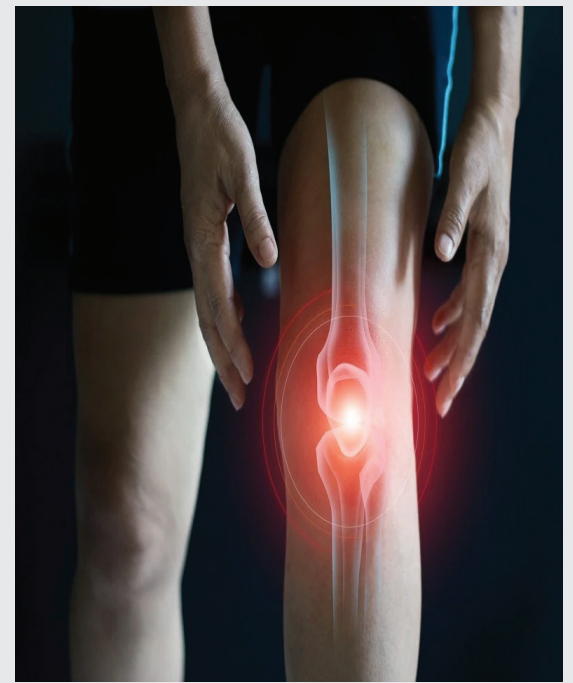
हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है।

सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास खयाल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।



ज्वाइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे पल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वाइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वाइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिश्रण के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिश्रण की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5 मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें। फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं। इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है। बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वाइंट्स के इन्फ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वाइंट के दर्द में राहत देता है। भुने हुए चने में विटामिन-क पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है। सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजेक्शन बूस्ट होता है और ज्वाइंट में लचीलापन आता है। अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है। दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इन्फ्लेमेशन से राहत मिलती है। मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है। सौंठ में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्स की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिव ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।